राष्ट्रीय
सहारा
वाराणसी। मंगलवार • 11 नवम्बर • 2025

एसएमएस का 31वां स्थापना दिवस समारोह

वाराणसी (एसएनबी)। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एस.एम.एस) का 10 दिवसीय 31वें स्थापना दिवस समारोह आधारशिला 2025 की भव्य शुरूआत सोमवार से हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वाराणसी जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पीयूष मोर्डिया ने कहा कि अपनी गलतियों से सीखना महत्वपूर्ण है। हर व्यक्ति अलग तरह से प्रतिभाशाली होता है। यदि आपको पढ़ने में शांति मिलती है, तो पढ़ो अगर आपका जुनून किसी और क्षेत्र में है, तो निडर होकर उसका अनुसरण करो।

उन्होंने कहा कि दूसरों को गिराने के बजाय, एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ो। हमारी मंज़िलें भले एक जैसी हों, पर यात्राएँ सबकी अलग होती हैं। विशिष्ट अतिथि प्रो. एसके सिंह, पूर्व कुलपति, एलएन मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा ने कहा कि एसएमएस वाराणसी ने शिक्षा, शोध और आयोजन के प्रत्येक क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए है। निदेशक प्रो. पीएन झा ने कहा कि संस्थान की सफलता की कहानी हमारे संकाय की प्रतिबद्धता, हमारे छात्रों के उत्साह और उन लोगों की दूरदर्शिता का प्रमाण है जिन्होंने इसकी

स्थापना के बाद से इस संस्थान का मार्गदर्शन किया है। प्रो. झा ने कहा कि 31 साल पूरे होने पर यह संस्थान अब और मजबूती के साथ समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने और बेहतर भविष्य के निर्माताओं को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रो. झा ने विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों को अपनाने के साथ-साथ वैश्विक दृष्टिकोण के लिए खुले रहने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर संस्थान में निरंतर 10 से 30 वर्षों तक निरंतर सेवाएं देने के लिए शैक्षणिक - गैर शैक्षणिक व प्रबंधन से जुड़े कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। समारोह में रंगारंग कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। इसमे प्रतियोगी स्पर्धायें, एकल गायन, एकल नृत्य, बिज़नेस प्लान, बिजनेस क्विज, कोडिंग कम्पटीशन, अन्त्याक्षरी, रंगोली, ऐड व पोस्टर मेकिंग प्रतिस्पर्धा का आयोजन हुआ। इन विभिन्न अंतर महाविद्यालयी प्रतिस्पर्धाओं में वाराणसी सहित पूर्वांचल के 20 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का पदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित स्किट रहा। सायंकाल रैम्प शो में विद्यार्थियों ने पारंपरिक व आधुनिक वस्त्रों के संयोजन को बखूबी मंच पर प्रस्तुत किया। दृघाटन सत्र का संचालन आधारशिला की संयोजक प्रो. पल्लवी पाठक ने किया। इस अवसर पर एसएमएस वाराणसी के अधिशासी सचिव डॉ. एम. पी. सिंह, निदेशक प्रो. पी. एन. झा, कुलसचिव संजय गुप्ता, प्रो. संदीप सिंह, अमितांशु पाठक आदि उपस्थित रहे।

सफलता के लिए निरंतर प्रयासरत होना है आवश्यकः एडीजी पीयूष मोर्डिया रंगारंग कार्यक्रम के बीच सम्मानित हुए 10 वर्ष से अधिक सेवा करने वाले कर्मचारी

हिन्दुस्तान
वाराणसी, मंगलवार, 11 नवंबर 2025

एसएमएस का स्थापना दिवस समारोह शुरू

वाराणसी। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के दो दिनी स्थापना दिवस समारोह 'आधारशिला-2025' सोमवार को शुरू हुआ। मुख्य अतिथि वाराणसी जोन के एडीजी पीयूष मोर्डिया ने कहा कि निडर होकर निरंतर बढ़ना जरूरी है। विशिष्ट अतिथि एलएन मिथिला विवि दरभंगा के पूर्व वीसी प्रो. एसके सिंह थे। स्वागत निदेशक प्रो. पीएन झा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव संजय गुप्ता सहित शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। छात्र-छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं।

आज
मंगलवार ११ नवम्बर, २०२५

सफलता के लिए निरंतर प्रयासरत रहना आवश्यक-पीयूष मोर्डिया

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एस.एम.एस.) वाराणसी का ३१वां स्थापना दिवस समारोह 'आधारशिला-२०२५' भव्य रूप से आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि ए.डी.जी. वाराणसी जोन पीयूष मोर्डिया ने विद्यार्थियों से कहा कि समय सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए अपने उद्देश्य पर केंद्रित रहें। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर एस.के. सिंह, पूर्व कुलपति एल.एन. मिथिला विश्वविद्यालय, ने एसएमएस की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक योगदान की सराहना की। निदेशक प्रोफेसर पी.एन. झा ने कहा कि संस्थान समग्र शिक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों के समन्वय के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह में कुलसचिव संजय कुमार गुप्त, निदेशक प्रोफेसर पी.एन. झा सहित कई शिक्षकों एवं कर्मचारियों को दीर्घ सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित विद्यार्थियों की स्किट और रैम्प शो मुख्य आकर्षण रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर पल्लवी पाठक ने किया। इस अवसर पर डॉक्टर एम.पी. सिंह, प्रोफेसर संदीप सिंह, अमितांशु पाठक सहित समस्त शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित रहे।

ज्ञानशिखा टाइम्स
वाराणसी ● मंगलवार ● 11 नवंबर, 2025

एस.एम.एस. वाराणसी के 31वें स्थापना दिवस समारोह आधारशिला-2025 का हुआ भव्य आयोजन

वाराणसी, 10 नवंबर, 2025 - स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एस.एम.एस) के बहुप्रतीक्षित 31वें स्थापना दिवस समारोह आधारशिला - 2025 की शुरुआत एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुई । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वाराणसी जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पीयूष मोर्डिया उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए उन्होंने खरगोश और कछुए की प्रसिद्ध कथा का उद्धरण देते हुए कहा कि धीरे-धीरे और स्थिर चलने की बजाए अब तेज, निडर होकर और निरंतर आगे बढ़ना ज़रूरी है। विद्यार्थियों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए श्री मोर्डिया ने कहा कि अपनी गलतियों से सीखना महत्वपूर्ण है। हर व्यक्ति अलग तरह से प्रतिभाशाली होता है। यदि आपको

पढ़ने में शांति मिलती है, तो पढ़ो अगर आपका जुनून किसी और क्षेत्र में है, तो निडर होकर उसका अनुसरण करो। दूसरों को गिराने के बजाय, एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ो। हमारी मंज़िलें भले एक जैसी हों, पर यात्राएँ सबकी अलग होती हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि समय सबसे बड़ी पूंजी है। इसका समझदारी से उपयोग करें। ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से दूर रहें और अपने उद्देश्य पर केंद्रित रहें।उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित प्रो. एस. के. सिंह, पूर्व कुलपति, एल. एन. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा ने अपने उद्बोधन में संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि एसएमएस वाराणसी ने शिक्षा, शोध और आयोजन के प्रत्येक क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। प्रो. सिंह ने कहा कि यदि कोई यह देखना चाहता है कि परंपरा और आधुनिकता कैसे एक साथ आगे बढ़ सकते हैं, तो एसएमएस वाराणसी इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने संस्थान के सशक्त, प्रेरणादायक और प्रतिस्पर्धी वातावरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहाँ का माहौल न केवल छात्रों को शैक्षणिक रूप से, बल्कि व्यक्तित्व के स्तर पर भी परिपक्व बनाता है।आधारशिला के उद्घाटन सत्र में अतिथियों का स्वागत करते हुए निदेशक प्रो. पी. एन. झा ने पिछले तीन दशकों में एसएमएस वाराणसी की उल्लेखनीय यात्रा के लिए आभार और गर्व व्यक्त किया।

गांडीव
DIGITAL
Wednesday, 12 November 2025

सफलता के लिए निरंतर प्रयास है जरूरी : एडीजी. पीयूष मोर्डिया

Nov 10, 2025, 11:18 AM | Posted By Gaandiv

वाराणसीः जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पीयूष मोर्डिया ने कहा कि अपनी गलतियों से सीखना महत्वयपूर्ण है. हर व्यक्ति अलग तरह से प्रतिभाशाली होता है. यदि आपको पढ़ने में शांति मिलती है, तो पढ़ो अगर आपका जुनून किसी और क्षेत्र में है, तो निडर होकर उसका अनुसरण करो. दूसरों को गिराने के बजाय, एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ो. हमारी मंज़िलें भले एक जैसी हों, पर यात्राएं सबकी अलग होती हैं. उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि समय सबसे बड़ी पूंजी है. खरगोश और कछुए की प्रसिद्ध कथा का उफदाहरण देते हुए कहा कि धीरे-धीरे और स्थिर चलने की बजाए अब तेज, निडर होकर और निरंतर आगे बढ़ना ज़रूरी है. एडीजी मोर्डिया स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) के 31वें स्थापना दिवस समारोह आधारशिला – 2025 में मुख्य अतिथि पद से बोल रहे थे. उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि समय सबसे बड़ी पूंजी है. इसका समझदारी से उपयोग करें. ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से दूर रहें और अपने उद्देश्य पर केंद्रित रहें.

रंगारंग कार्यक्रमों ने अतिथियों का मोहा मन

दो दिन चलने वाले स्थापना दिवस समारोह में विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित हुए.इसमें प्रतियोगी स्पर्धाएं - एकल गायन, एकल नृत्य,बिज़नेस प्लान, बिजनेस क्विज,कोडिंग कम्पटीशन, अन्त्याक्षरी, रंगोली, ऐड व पोस्टर मेकिंग प्रतिस्पर्धा का आयोजन हुआ। इन विभिन्न अंतर महाविद्यालयी प्रतिस्पर्धाओं में वाराणसी सहित पूर्वांचल के 20 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अतिथियों का मन मोह लिया. कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित स्किट रहा। जिसमें विगत अप्रैल महीने में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी घटना को लेकर विद्यार्थियों ने एक भावपूर्ण प्रस्तुति की.उद्घाटन सत्र का संचालन आधारशिला की संयोजक प्रो. पल्लवी पाठक ने किया. इस अवसर पर एसएमएस वाराणसी के अधिशासी सचिव डॉ. एम. पी. सिंह, निदेशक

शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक योगदान की सराहना

वहीं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित प्रो. एस के सिंह, पूर्व कुलपति, एल. एन. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा ने अपने उद्बोधन में संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक योगदान की सराहना की. उन्होंने कहा कि यदि कोई यह देखना चाहता है कि परंपरा और आधुनिकता कैसे एक साथ आगे बढ़ सकते हैं, तो एसएमएस वाराणसी इसका उत्कृष्ट उदाहरण है. इस अवसर पर निदेशक प्रो. पी एन झा ने पिछले तीन दशकों में एसएमएस वाराणसी की उल्लेखनीय यात्रा के लिए आभार और गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संस्थान की सफलता की कहानी हमारे संकाय की प्रतिबद्धता, हमारे छात्रों के उत्साह और उन लोगों की दूरदर्शिता का प्रमाण है जिन्होंने इसकी स्थापना के बाद से इस संस्थान का मार्गदर्शन किया है. इस अवसर पर संस्था न में निरंतर 10, 15, 20, 25 और 30 वर्षों तक निरंतर सेवाएं देने के लिए शैक्षणिक - गैर शैक्षणिक व प्रबंधन से जुड़े 12 कर्मचारियों को सम्मा नित किया गया.

THE TIMES OF INDIA
NOVEMBER 11, 2025

SMS marks Foundation Day with Aadhaarshila

Varanasi: The 31st foundation day celebrations of the School of Management Sciences (SMS), Aadhaarshila-2025, commenced with a grand ceremony on Monday, with ADG of Police, Varanasi Zone, Piyush Mordia attending the event as chief guest.

Addressing the inaugural session, Mordia drew inspiration from the classic fable of the hare and the tortoise, remarking that in today's world, progress must be swift, bold, and consistent. Engaging directly with students, he emphasized learning from mistakes and discovering individual strengths.

"If you find peace in studying, do so. If your passion lies elsewhere, pursue it fearlessly," he said. Urging students to support one another, he added, "While our destinations may be similar, everyone's journey is different." He advised the youth to value time as their greatest asset, avoid distractions, and stay focused on their goals.

Guest of honour Prof SK Singh, former Vice-Chancellor of LN Mithila University, Darbhanga said the institution exemplifies how tradition and modernity can coexist, and commended its vibrant and competitive environment that fosters both academic and personal development.

Director Prof PN Jha expressed gratitude and pride over the institution's remarkable journey spanning three decades. TNN

वर्ष: 35, अंक: 155
वाराणसी, मंगलवार
11 नवंबर, 2025
पृष्ठ: 8
मूल्य: ₹4

जन जन की आवाज
काशीवार्ता
स्थापित 1991

काशीवार्ता

kashivarta.com
facebook.com I kashivartahindinews   twitter.com I kashivartahindinews

सफलता के लिए निरंतर प्रयास जरूरी : पीयूष मोर्डिया

एसएमएस का मना 31वां स्थापना दिवस

वाराणसी (काशीवार्ता)। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) वाराणसी में 31वें स्थापना दिवस समारोह आधारशिला-2025 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) वाराणसी जोन पीयूष मोर्डिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि धीरे-धीरे नहीं, बल्कि तेज, निडर और निरंतर आगे बढ़ना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने युवाओं से समय का सदुपयोग करने और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि प्रो. एस. के. सिंह, पूर्व कुलपति, एल.एन. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा ने संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि एस.एम.एस. वाराणसी परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम है। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. पी. एन. झा ने पिछले तीन दशकों की उपलब्धियों को याद करते हुए कहा कि एस.एम.एस. ने शिक्षा, शोध और व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस अवसर पर तीस, पच्चीस, बीस, पंद्रह और दस वर्षों की निरंतर सेवाओं के लिए कई शिक्षकों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया, जिनमें कुलसचिव संजय कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी शांतनु मुखर्जी, पुस्तकालयाध्यक्ष प्रतिमा भार्गव, प्रो. पी.एन. झा (निदेशक), डॉ. आनंद प्रकाश दुबे, प्रेम भूषण सिंह, श्री गिरिजेश सिंह गौतम, अजय कुमार श्रीवास्तव, शैलेन्द्र पाण्डेय, डॉ. शिशिर कुमार गुजराती, श्रीमती भावना दीक्षित और विजय कुमार यादव प्रमुख हैं। दो दिवसीय समारोह में एकल गायन, नृत्य, बिजनेस क्विज, कोडिंग प्रतियोगिता, रंगोली, ऐड व पोस्टर मेकिंग जैसी स्पर्धाओं में पूर्वांचल के 20 से अधिक शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित स्किट रहा, जिसने दर्शकों को भावुक कर दिया। उद्घाटन सत्र का संचालन प्रो. पल्लवी पाठक ने किया। इस अवसर पर अधिशासी सचिव डॉ. एम. पी. सिंह, निदेशक प्रो. पी. एन. झा, कुलसचिव संजय गुप्ता, प्रो. संदीप सिंह, अमितांशु पाठक सहित संस्थान के सभी शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस कार्यक्रम को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि।

Daily News paper

GOOD NEWS INDIA

Registration No. : UP-25-0010715

Vol : 01 Issue : 68 PRAYAGRAJ TUESDAY, 11 November 2025 Page : 4 ₹ - 1

SMS Varanasi's 31st Foundation Day celebration, "Aadarshhila 2025," was held with a grand opening ceremony.

Varanasi, November 10, 2025: The much-awaited 31st Foundation Day celebration, "Aadarshhila 2025," of SMS School of Management Sciences, began with a grand inauguration ceremony. Piyush Mordia, Additional Director General of Police, Varanasi Zone, was the chief guest. Addressing the inaugural session, he quoted the famous fable of the hare and the tortoise, saying that instead of moving slowly and steadily, it is now important to move forward quickly, boldly, and consistently. Establishing a direct dialogue with the students, Mordia said that it is important to learn from your mistakes. Every person is talented in a different way. If you find peace in studying, do so; if your passion lies in another field, pursue it fearlessly. Instead of pulling others down, hold each other's hands and move forward. While our destinations may be similar, everyone's journeys are different. He urged the youth to use time wisely, avoiding distractions and remaining focused on their goals.

Present as the guest of honor at the inaugural session, Prof. S.K. Singh, former Vice Chancellor of L.N. Mithila University, Darbhanga, praised the institute's academic excellence and social contributions in his address. He stated that SMS Varanasi has set new standards in every field of educational research and organization. Prof. Singh stated that if one wishes to see how tradition and modernity can coexist, SMS Varanasi is a prime example. He praised the institute's strong, inspiring, and competitive environment, noting that it not only develops students academically but also personally.

Welcoming the guests at the inaugural foundation stone laying ceremony, Director Prof. P.N. Jha expressed gratitude and pride for SMS Varanasi's remarkable journey over the past three decades. He said that the Institute's success story is a testament to the commitment of our faculty, the enthusiasm of our students, and the vision of those who have guided the Institute since its inception. Prof. Jha said that on completing 31 years, the Institute is even more strongly committed to promoting holistic education and preparing makers of a better future. Prof. Jha encouraged the students to embrace their cultural roots while remaining open to a global perspective.

On this occasion, academic, non-academic, and management staff were honored for their ten, fifteen, twenty, twenty-five, and thirty years of continuous service to the Institute.

सिर्फ रू. 4.00

गूंज उठी रणभेरी

वर्ष 09 अंक 275, कुल पेज-08
वाराणसी, मंगलवार, 11 नवम्बर 2025

दमदार, असरदार, ख़बरदार

सफलता के लिए निरंतर प्रयासरत होना है आवश्यक : पीयूष मोर्डिया

» एसएमएस के स्थापना दिवस समारोह में रंगारंग प्रस्तुतियों से झूमे विद्यार्थी

वाराणसी (रणभेरी सं.)। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) वाराणसी का 31वां स्थापना दिवस समारोह ह्यआधारशिला-2025ह्ल सोमवार को भव्य उद्घाटन के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में वाराणसी जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) पीयूष मोर्डिया उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने खरगोश और कछुए की प्रसिद्ध कथा का उदाहरण देते हुए कहा कि अब समय धीरे नहीं, बल्कि तेज, निडर और निरंतर आगे बढ़ने का है। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए निरंतर प्रयासरत रहना और अपनी गलतियों से सीखना आवश्यक है, क्योंकि हर व्यक्ति में अलग-अलग प्रतिभा होती है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. एस. के. सिंह, पूर्व कुलपति, एल. एन. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा ने कहा कि एसएमएस वाराणसी शिक्षा, शोध और सामाजिक योगदान में नए मानक स्थापित कर चुका है। उन्होंने कहा कि परंपरा और आधुनिकता का संगम देखना हो तो एसएमएस इसका उत्कृष्ट उदाहरण है।

अतिथियों का स्वागत करते हुए निदेशक प्रो. पी. एन. झा ने संस्थान की तीन दशकों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि एसएमएस अब समग्र शिक्षा को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर संस्थान में 10, 15, 20, 25 और 30 वर्षों से निरंतर सेवा दे रहे कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। दो दिवसीय स्थापना दिवस समारोह में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल पर आधारित स्किट मुख्य आकर्षण रही। उद्घाटन सत्र का संचालन प्रो. पल्लवी पाठक ने किया। कार्यक्रम में डॉ. एम. पी. सिंह, संजय गुप्ता, प्रो. संदीप सिंह, अमितांशु पाठक सहित शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।